पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बॉडी बनाने के लिए सलमान के पास गए थे ऋतिक रोशन

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 136 ■ मंगलवार, 12 अगस्त 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

अवैध पिस्तौल रखने के आरोप में भाजपा पदाधिकारी गिरफ्तार

बदलापुर. एक भाजपा पदाधिकारी समेत तीन लोगों को अवैध पिस्तौल रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई ठाणे क्राइम ब्रांच और बदलापुर पुलिस ने शुक्रवार को बारवी डैम रोड इलाके में संयुक्त रूप से की। इस कार्रवाई में दो देसी पिस्तौल और कारतूस जब्त किए गए।

आरोपियों के नाम वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी शरद म्हात्रे, हरेश भोपी और दशरथ कांबरी हैं। उन्हें शनिवार को अदालत में पेश किया गया और दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कुछ साल पहले, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी शरद म्हात्रे पर गोली चलाई गई थी। हालाँकि, अब यह आश्चर्य की बात है कि म्हात्रे और उनके साथियों के पास से अवैध हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जाँच चल रही है कि वे पिस्तौल क्यों ले जा रहे थे।

अंबरनाथ भाजपा का जनाक्रोश मोर्चा

- नपा कार्यालय में घुसकर की नारेबाजी
- मुख्याधिकारी के पुतले को चप्पल मारे गए

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ भाजपा एवं शहरवासियों की ओर से सोमवार को जनाक्रोश मोर्चा निकाल कर 'मुख्याधिकारी हटाओ, मुख्याधिकारी चोर है' की नारेबाजी करते हुए उनके प्रतिकात्मक पुतले को चप्पलों से पीटने के बाद जोश में आए नेताओं, कार्यकर्ताओं ने नपा कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों, एमएसएस के सुरक्षा रक्षकों को ढकेलते हुए कार्यालय का मुख्य दरवाजा ढकेलते हुए कार्यालय में प्रवेश कर आंदोलन शुरू कर दिया. अंबरनाथ नपा में हो रहे भ्रष्टाचार, शहर में बंद स्ट्रीट लाइट एवं विविध समस्याओं को लेकर भाजपा राज्य परिषद के सदस्य एवं पूर्व नगराध्यक्ष गुलाबराव करंजुले, अंबरनाथ विधानसभा संयोजक अभिजीत करंजुले के नेतृत्व में जनाक्रोश

मोर्चा छत्रपति शिवाजी चौक से नपा कार्यालय पर निकाला गया. निवेदन लेने के लिए मुख्याधिकारी नपा कार्यालय में आए ही नहीं. वह फरार हो गए हैं. आज तीसरी बार ऐसा हुआ है कि जब भी मोर्चा नपा में आता है तो वह भाग खड़े होते हैं. ऐसा आरोप भाजपा नेताओं ने लगाया है. एक समय तो ऐसा आ गया था कि नवनियुक्त एमएसएस के एक सुरक्षा रक्षक ने मोर्चे वालों को लाठी मारने के लिए ऊपर उठा लिया था. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने उसे रोककर बाजू में किया. अब भ्रष्टाचार नहीं चलेगा, अब हम हिसाब लेंगे कि घोषणाबाजी की गई. पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने कहा है कि वह अपने वरिष्ठ नेताओं मंत्रियों से मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ की शिकायत करेंगे. मोर्चे वालों ने भ्रष्टाचार हटाओ, अंबरनाथ बचाओ, अब हम हिसाब मांगेंगे का प्ले बोर्ड उठाए हुए था. मांग की गई है कि भ्रष्टाचार की जांच करके संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों पर अपराध दर्ज किया जाए, नहीं तो महिने भर बाद दोबारा मोर्चा निकाला जाएगा. ऐसा करंजुले ने कहा है. उप मुख्याधिकारी राउत को निवेदन दिया गया. मोर्चे में नरेंद्र पवार गुलाब करंजुले, शशिकांत कांबले, कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब, अंबरनाथ मंडल अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले, खानजी धल, लक्ष्मण पंत, प्रजेश तेलंगे, कंचन मिश्रा, अनिल गायकवाड़ आदि उपस्थित थे.

बोलेरो ने दोपहिया को टक्कर मारी; पति-पत्नी घायल

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्वी लोकनगरी इलाके में एक तेज़ रफ़्तार बोलेरो ने एक दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोपहिया वाहन पर सवार एक दंपत्ति घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक बिना किसी मदद के मौके से फरार हो गया। इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अक्षय अनिल मालुसरे (27) अपनी पत्नी पूजा के साथ दोपहिया वाहन पर सवार थे, तभी वैभव पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही एक सफ़ेद बोलेरो कार ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, बोलेरो चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए तेज़ गति से वाहन चला रहा था। इस टक्कर में दोपहिया वाहन पर सवार अक्षय और उनकी पत्नी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद भी, बोलेरो चालक ने रुकने, मदद करने या पुलिस को सूचित करने से इनकार कर दिया और सीधे भाग गया। घायल अक्षय मालुसरे की शिकायत के अनुसार, शिवाजीनगर पुलिस ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

उबाठा का शहर में जनाक्रोश मोर्चा

- उल्हासनगर-5 कैलाश कालोनी क्षेत्र में निकला मोर्चा
- सरकार विरोधी नारे लगाए गए
- बोडारे के नेतृत्व में निकला मोर्चा

उल्हासनगर. महायुति सरकार में दागी और भ्रष्ट नेताओं को हटाने और सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे समूह की ओर से पूरे महाराष्ट्र में जनाक्रोश मोर्चा निकाला गया। इसी पृष्ठभूमि में आज उल्हासनगर शहर में भी एक भव्य मार्च निकाला गया। यह मोर्चा उल्हासनगर कैंप 5 के कैलाश कॉलोनी क्षेत्र में जिला प्रमुख धनंजय बोडारे के नेतृत्व में निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे और सरकार विरोधी नारे लगाए। मोर्चे के दौरान मांग की गई कि सरकार में आपत्तिजनक व्यवहार करने वाले, विधान भवन में रम्मी खेलने वाले और विभिन्न भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वाले मंत्रियों को तुरंत उनके पदों से हटाया जाए। नेताओं के दुर्व्यवहार के खिलाफ नागरिकों का गुस्सा और आक्रोश माहौल में साफ महसूस किया गया।

विधायक आयलानी का निवास स्थान परिसर सूखे की चपेट में

- बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे नागरिक
- क्यों रोजाना नहीं मिल रहा पीने का पानी?
- सपना गार्डन परिसर में पानी की भारी किल्लत

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर जोकि एक समस्या नगर बन चुका है उसे हल करने में स्थानीय नेता भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। प्रशासन व नेता शहरवासियों को पानी, कचरा व सड़क जैसी प्रमुख सुविधा दिलाने में पूरी तरह फेल साबित हुए हैं। भाजपा विधायक कुमार आयलानी जिस परिसर में रहते हैं वहां के ही नागरिक इन दिनों बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर-3 स्थित सपना गार्डन परिसर में पिछले कई वर्षों से पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। यहां पीने के पानी की कई लाइनें हैं जिनमें एक में रोजाना पानी आता है जो विशेष घरों में जाता है एक लाईन में कम पानी आता है जो

एक दिन छोड़कर आता है और 3-4 ऐसी भी पुरानी लाईनें हैं जो पूरी तरह सुख चुकी है। पूर्व नगरसेवकों ने अपने परिसर में पानी खींचने के लिए बूस्टर भी लगाए हैं जिस कारण कई इलाकों में पानी नहीं मिल रहा है। इस परिसर के निवासी इसलिए भी त्रस्त हैं क्योंकि एक ब्लू लाईन है जिसमें पानी रोजाना नहीं आता है और अगर आता भी है तो केवल आधे घंटे के लिए ऐसे में हजारों की संख्या में नागरिक जो फ्लैटों में रहते हैं उन तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। सपना गार्डन परिसर के हरि कीर्तन दरबार से यूएमसी जाने वाली सड़क पर राजू सोसायटी सचो सतराम धाम आदि परिसर की सभी इमारतों में पानी की भारी किल्लत है। यहां रोजाना पानी नहीं आ रहा है। ज्ञात हो कि सपना गार्डन के समक्ष ही विधायक कुमार आयलानी रहते हैं लेकिन सूना गया है कि उनके लिए विशेष पानी की लाईन है जो इन परिसर के निवासियों के पास उपलब्ध नहीं है। यानी दिया तले अंधेरे शहर के एक मात्र जनप्रतिनिधि उनके निवास्थान परिसर में सूखा पड़ा है तो उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र की क्या हालत होगी यह तो जनता को नजर ही आ रहा है। इस परिसर के निवासियों ने मांग की है कि जो ब्लू लाइन में एक ही दिन पानी दिया जाता है उसे रोजाना किया जाए और इस परिसर में कम से कम 2 घंटे तक पानी मुहैया कराया जाए ताकि सभी निवासियों तक पानी पहुंच सके। पानी पुरवठा अधिकारियों से भी इस तरह की मांग की गई बावजूद यह परिसर सूखे की चपेट में है।

महिला चालक के खिलाफ मामला दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व स्थित ग्रीन सिटी कॉम्प्लेक्स के सामने एक महिला कार चालक ने लापरवाही से रिवर्स किया, जिससे 35 वर्षीय महिला के पैर में गंभीर चोट आई। हालाँकि, महिला चालक द्वारा इलाज का खर्च उठाने से इनकार करने पर शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह घटना रविवार दोपहर 2.30 बजे हुई। दीक्षा सुधर्मा कांबले (35) ग्रीन सिटी कॉम्प्लेक्स के सामने से गुजर रही थीं। उसी समय, एक चार पहिया वाहन ने रिवर्स करते समय उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर में उनके टखने में चोट आई। दुर्घटना के बाद, चालक सुरेखा नाडार ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और उनका प्राथमिक उपचार किया।

सड़क निर्माण कार्य को लेकर नागरिकों में गुस्सा

- अगर सड़क टूटती है तो कौन ज़िम्मेदार होगा?

उल्हासनगर। 'विकास' शब्द सुनते ही लोग नई सुविधाओं, अच्छी सड़कों और सुरक्षा की उम्मीद करते हैं। लेकिन उल्हासनगर के कैंप 5 इलाके में चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण, यह उम्मीद अब डर और गुस्से में बदल रही है। हिललाइन पुलिस स्टेशन के सामने चल रहे इस काम से नागरिकों में गहरा असंतोष है। हिललाइन पुलिस स्टेशन और इंडसलैंड बैंक के सामने बड़े नाले के नज़र में होने के बावजूद, बिना किसी मरम्मत या मज़बूती के सीधे सड़क निर्माण

कार्य शुरू कर दिया गया है।

भविष्य में सड़क के टूटने का ख़तरा है, और दुर्घटनाओं की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यह जानते हुए भी प्रशासन इसे नज़रअंदाज़ कर रहा है, जिससे नागरिकों में काफ़ी रोष है। एक स्थानीय नागरिक ने नाराज़गी जताते हुए कहा, 'उल्हासनगर अंधेरों का शहर बन गया है। प्रशासन को किसी बात की चिंता नहीं है। न कोई तैयारी, न नाले का स्ट्रक्चरल ऑडिट, न ही काम की गुणवत्ता... प्रशासन को सब कुछ जल्दी पूरा करने की जल्दी है। लेकिन इसका खामियाज़ा हम आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।'

नागरिकों ने प्रशासन से साफ़ तौर पर माँग की है कि सिर्फ़ ऊपरी सड़क की बजाय, सड़क के नीचे पूरे नाले को मज़बूत किया जाए। क्योंकि अगर नाला कमज़ोर रहा, तो ऊपर की सड़क कितनी भी अच्छी क्यों न हो, जल्द ही ढह जाएगी। इससे दुर्घटनाएँ होंगी और जनता के पैसे की बर्बादी होगी।

गलत योजना प्रबंधन

यह काम पिछले एक साल से रुका हुआ है, और बार-बार शुरू होकर रुक जाता है। नतीजतन, पूरा इलाका गड्ढों से भरा हुआ है, जल निकासी व्यवस्था अधूरी है और नागरिकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का आरोप है कि इसकी मूल वजह गलत योजना और ढीला प्रशासन है।

अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर में बिजली आपूर्ति बाधित

- पडघा में हाईटेंशन लाइन टूटी
- जलापूर्ति भी प्रभावित होने की आशंका

अंबरनाथ. सोमवार सुबह से ही अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर इलाकों के नागरिक बिजली आपूर्ति बाधित होने से बुरी तरह प्रभावित हुए। पडघा से आने वाली मुख्य पाइपलाइन पर गोलेगांव, अंबिवली के पास उच्च दाब की लाइन टूटने के कारण यह व्यवधान उत्पन्न हुआ।

बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण घरेलू काम से लेकर छोटे-बड़े उद्योगों तक, सभी जगह काम

ठप हो गया. इलाके में पहले से ही बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण नागरिक नाराज हैं. अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में हर दिन हो रही बिजली कटौती के कारण जलापूर्ति भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, और पानी की टंकियों में पर्याप्त भंडारण न होने के कारण नागरिकों को पानी के लिए अतिरिक्त इंतज़ार करना पड़ रहा है।

त्योहारों से पहले हो मरम्मत

- बदलापुर और अंबरनाथ शहरों में महावितरण द्वारा रखरखाव और मरम्मत कार्य के बाद भी बिजली आपूर्ति में सुधार होता नहीं दिख रहा है। शनिवार को रक्षाबंधन के दिन बदलापुर में कई जगहों पर कई बार बिजली आपूर्ति बाधित हुई। रविवार को छुट्टी के दिन बदलापुर पूर्व के विभिन्न इलाकों में कमोबेश बिजली आपूर्ति बाधित रही। सोमवार की सुबह ही बिजली आपूर्ति बाधित रही। मोरीवली से जाने वाली उच्च दाब लाइन में खराबी के कारण बदलापुर के कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे पहले ही दिन नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।
- लगातार बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण त्योहार और उत्सव अंधेरे में मनाने पड़ रहे हैं। अगले कुछ दिनों में गणेशोत्सव शुरू हो जाएगा। नागरिकों की माँग है कि कम से कम उस दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएँ। माँग है कि रखरखाव और मरम्मत का काम कुछ और दिन किया जाए, इसके लिए जितना समय चाहिए, लिया जाए, लेकिन त्योहार के दौरान बिजली उपलब्ध कराई जाए।

बदलापुर पुलिस स्टेशन में मनाया गया रक्षाबंधन

बदलापुर. रोटरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित समर्थ केंद्र की लड़कियों ने बदलापुर पूर्व पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरण वालवडकर और उनके सहयोगियों को राखी बाँधकर रक्षाबंधन मनाया। रोटरी क्लब ऑफ बदलापुर के अध्यक्ष रोटेरियन महेश जाधव ने बताया कि यह समारोह पुलिस के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाया गया, जो लोगों की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम करते हैं। कार्यक्रम में क्लब के रोटेरियन आशुतोष कुलकर्णी, हेमंत आप्टे, वसंत मोरे, रोहन सावरतकर, किरण राउत और समर्थ केंद्र के पदाधिकारी शामिल हुए।

कल्याण रेलवे स्टेशन पर 5 लाख का गांजा जब्त

- 2 आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस की अपराध शाखा के विशेष मादक द्रव्य निरोधक दस्ते ने मुंब्रा निवासी दो लोगों से 5 लाख 18 हज़ार रुपये मूल्य का 21 किलो गांजा जब्त किया। दोनों तस्कर भुवनेश्वर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस से आए थे। कल्याण रेलवे स्टेशन पर उतरते ही विशेष पुलिस दस्ते ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

उनके खिलाफ कल्याण रेलवे स्टेशन पर मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार लोगों के नाम अकमल खान, मोहम्मद यामीन खान (30, निवासी शिलफाटा, मुंब्रा पूर्व), आबिद मजीद शेख (23, निवासी खरदी गाँव, मुंब्रा) हैं।

विशेष पुलिस दस्ता रेलवे स्टेशन पर अनियमितताओं को रोकने और ट्रेन से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए कल्याण रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहा था. इसी समय, भुवनेश्वर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली एक्सप्रेस कल्याण रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या छह पर पहुँची। गश्ती दल एक्सप्रेस में चढ़ने-उतरने वाले यात्रियों की गतिविधियों पर नज़र रख रहा था। इसी दौरान, पुलिस दल ने देखा कि दो यात्री भुवनेश्वर एक्सप्रेस से उतरकर रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते समय संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। दोनों के पास भारी बैग थे। टीम ने उन्हें रोका। उनके बैग की तलाशी ली गई। टीम को बैग में प्रतिबंधित गांजे के पैकेट मिले। 21 किलोग्राम वजन वाले इस गांजे का बाजार मूल्य 5 लाख 18 हज़ार रुपये है। टीम ने दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी का मामला दर्ज किया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इस बात की जाँच शुरू कर दी है कि दोनों तस्कर यह गांजा कहाँ से लाए थे और किसे बेचने वाले थे।

उल्हासनगर में 'शर्म करो, गड्ढे भरो' अभियान

- नागरिकों का मिल रहा भारी प्रतिसाद

उल्हासनगर. चुनाव से पहले उल्हासनगर में सड़कों की दयनीय स्थिति को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है। टीम ओमी कलानी के प्रमुख ओमी कलानी ने स्थानीय विधायक कुमार आयलानी और उल्हासनगर मनपा प्रशासन पर निशाना साधते हुए 'शर्म करो, गड्ढे भरो' अभियान शुरू किया है।

उल्हासनगर शहर की सड़कों की हालत गड्ढों के कारण खराब हो गई है। शहर की लगभग सभी डामर सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। अगले कुछ दिनों में गणेशोत्सव आ रहा है। बड़े समूह कुछ दिन पहले ही गणेश प्रतिमाओं को मंडप में ले जाते हैं। ऐसे समूहों को इन गड्ढों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

गड्ढों के कारण शहर में भीड़भाड़ भी बढ़ रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कई आलोचनात्मक संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं। कुछ यूट्यूबर्स ने तो शहर के गड्ढों पर रैप गाने भी बनाए थे। अब जब बारिश कम हो गई है, तो मनपा ने मास्टिंग तकनीक से गड्ढे भरने शुरू कर दिए हैं। हालाँकि, इस पर राजनीति भी गरमा गई है।

ओमी कलानी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके नागरिकों से खुली अपील की है। उल्हासनगर की सड़कों की हालत देखते हुए, सभी नागरिक, टीम ओमी कलानी के सदस्य, खासकर युवा और महिलाएं, सड़क पर बने गड्ढों के साथ अपनी एक तस्वीर लें और उसे #SharamKaroKhaddaBharo, #KumarAilani और #My_UMC हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करें, ताकि हमारे विधायकों के साथ-साथ मनपा प्रशासन भी अपनी नींद से जाग जाए।

सोशल मीडिया पर मिल रही ज़बरदस्त प्रतिक्रिया

ओमी कलानी की इस पहल को नागरिकों का ज़बरदस्त समर्थन मिल रहा है। कई लोगों ने अपने इलाकों के गड्ढों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके प्रशासन की निष्क्रियता की आलोचना शुरू कर दी है। कुछ लोगों ने तो पानी से भरे गड्ढों की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं और सवाल उठाया है, 'क्या यही स्मार्ट सिटी है?'। टीम ओमी कलानी के सदस्यों ने भी शहर के विभिन्न हिस्सों में गड्ढों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं।

सड़क मरम्मत के लिए दबाव बढ़ाने की कोशिशें

कालानी के अनुसार, यह अभियान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं है, बल्कि उल्हासनगरवासियों की सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा, 'गड्ढों के कारण दुर्घटनाएँ बढ़ रही हैं, मानसून में स्थिति और भी खराब हो जाती है। हम प्रशासन से तुरंत सड़कों की मरम्मत और शहर को गड्ढा मुक्त बनाने की माँग कर रहे हैं।' चुनावों की पृष्ठभूमि में सुर्खियों में अभियान आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में यह अभियान राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है। स्थानीय स्तर पर मतदाता प्रशासन के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त कर रहे हैं, और उम्मीद है कि सोशल मीडिया पर हैशटैग अभियान के चलते यह मुद्दा राज्य स्तर तक पहुँचेगा। राजनीतिक रूप से, शहर में कलानी बनाम ऐलानी का विवाद पुराना है। विधानसभा चुनाव में पप्पू कलानी ने प्रचार के दौरान ऐलानी के कार्यालय के बाहर नारेबाजी की थी।

सांप के काटने से मजदूर की मौत

कल्याण. कल्याण पश्चिम के गांधारी गाँव की सीमा में एक निर्माणाधीन इमारत में काम कर रहे 30 वर्षीय एक मजदूर को सोमवार सुबह मजदूर कॉलोनी में सोते समय एक जहरीले सांप ने काट लिया। मजदूर को तुरंत एक अस्पताल ले जाया गया। वहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक मजदूर की पहचान निश्ख्या नवीनचंद्र दलाई (30) के रूप में हुई है। निश्ख्या कल्याण पश्चिम के गांधारी गाँव में गोल्डन वॉक होटल के पास निर्वाण गार्डन की एक नई इमारत के निर्माण में मजदूर के रूप में काम कर रहा था। इस इमारत पर काम करने वाले मजदूरों की सुविधा के लिए, डेवलपर ने इस इमारत के किनारे बंद आश्रय स्थल बनाए हैं। काम पूरा होने के बाद, मजदूर अपने परिवारों के साथ इसी आश्रय स्थल में रहते हैं। निश्ख्या मूल रूप से उड़ीसा के गजपति जिले के काम्पागुड़ा गाँव का रहने वाला है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

ईडी की कार्यशैली पर टिप्पणी

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्यशैली और उसकी भूमिका पर आए दिन सवाल उठते रहे हैं। राजनीतिक दलों का आरोप है कि ईडी प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई करती है। वहीं उच्च न्यायालयों से लेकर शीर्ष अदालत ने भी निदेशालय को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। यह अफसोसनाक है कि ईडी की जांच में आरोपी बनाए गए लोग दोषी सिद्ध न होने पर भी महीनों विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहते हैं।

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि धनशोधन रोकथाम कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों हो रहा है और किसके इशारे पर हो रहा है। इस कानून के तहत दोषसिद्धि दर पर भी सवालिया निशान लग चुके हैं। गुरुवार को शीर्ष न्यायालय ने भी इस बात पर चिंता जताई है कि धनशोधन मामलों में सजा की दर बहुत कम है। अदालत ने ईडी को सख्त लहजे में चेताया है कि वह किसी गुंडे की तरह काम नहीं कर सकती, उसे कानून के दायरे में रह कर काम करना होगा।

अदालत की टिप्पणी ईडी की जांच प्रक्रिया और कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल है। अगर इस संस्था की छवि इस कदर नकारात्मक बन रही है, तो इस पर उसे सोचने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि शीर्ष न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज पर कोई पहली बार सवाल उठाया है। पिछले महीने भी अदालत ने कहा था कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। यह गंभीर स्थिति है कि न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद आरोपी जेल से बाहर आ जाते हैं। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय न तो अपनी जांच पूरी कर पाता है और न ही उनके खिलाफ आरोप सिद्ध कर पाता है।

इस पर विचार किया जाना चाहिए कि अगर ईडी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूत आधार होता है तो दोषसिद्धि की दर दस फीसद से भी कम क्यों है। इस पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने उचित सवाल किया है कि अगर आरोपी बरी हो जाते हैं, तो इसका भुगतान कौन करेगा।

यह बेकसूर नागरिकों की स्वतंत्रता का भी सवाल है। ईडी की छवि पर अगर प्रश्न उठ रहे हैं, तो इसका निवारण अब उसे ही करना होगा। इस संदर्भ में ईडी को शीर्ष अदालत की इस नसीहत पर गौर करने की जरूरत है कि उसे कानून की सीमा में काम करना चाहिए।

शिक्षकों की शिक्षा पर भी देना होगा

शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में कई नई चुनौतियां सामने आएंगी, जिनका सामना केवल वे युवा कर सकेंगे, जिनके पास उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा होगी और जो नए समय के लिए उपयोगी कौशलों से लैस होंगे तथा जीवनभर नए ज्ञान एवं कौशल सीखने के लिए तत्पर रहेंगे। यह उत्कृष्टता उन्हें उन्हीं संस्थानों से प्राप्त होगी, जिनकी कार्यसंस्कृति उच्च स्तर की होगी।

कोठारी आयोग (1964-66) की रिपोर्ट आने के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ी थीं। चूंकि तब स्कूलों और प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से विस्तार आवश्यक था और वह तेजी से हुआ भी, इसलिए जब भी किसी व्यवस्था में तेजी से विस्तार होता है, तो गुणवत्ता में कमी को रोकने के विशेष प्रयास करने होते हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जा सका। शिक्षक प्रशिक्षण में नए निजी संस्थान खोलने की ओर उन लोगों का ध्यान भी बड़ी संख्या में गया, जो इसमें व्यापार की संभावनाएं देखने लगे थे। राज्य सरकारों द्वारा नए सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान खोलने से पीछे हटने से भी उन्हें भारी प्रोत्साहन मिला। शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवत्ता का ह्रास वर्ष 1970 के बाद विश्वविद्यालयों द्वारा पत्राचार से बीएड पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से हुआ। सरकारी विश्वविद्यालयों ने केवल आर्थिक लाभ के लिए बिना पर्याप्त और आवश्यक संसाधन जुटाए ही पत्राचार द्वारा बीएड पाठ्यक्रम प्रारंभ कर दिए थे। इन पाठ्यक्रमों में धनार्जन ही मुख्य लक्ष्य था।

वर्ष 1998-99 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने बिहार के तत्कालीन राज्यपाल को एक प्रतिवेदन देकर प्रस्तुति दी कि कैसे कुछ सरकारी विश्वविद्यालय खुलेआम बीएड की डिग्री 'बेच' रहे हैं। जांच हुई, छापे पड़े, गिरफ्तारियां हुईं तो केवल बीएड ही नहीं, अन्य अनेक विषयों की उपाधियां भी तैयार मिलीं। 'बिहार बीएड स्कैंडल 1999' के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। फिर क्या हुआ, इसके संबंध में एक अत्यंत कष्टकर वर्णन 2012 में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग के अध्यक्ष एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेएस वर्मा ने भी लिखा, जो न केवल उनकी पीड़ा को दर्शाता है, बल्कि लगभग सभी नियामक संस्थाओं और व्यवस्था की दयनीय स्थिति का स्पष्ट वर्णन करता है। स्थिति 2020 तक भी वैसी ही रही।

उनके कथन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में दोहराना पड़ा, '...न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग (2012) के अनुसार स्टैंडअलोन टीईआइ (शिक्षक शिक्षा संस्थान), जिनकी संख्या 10,000 से अधिक है, अध्यापक शिक्षा के प्रति लेशमात्र गंभीरता से प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके स्थान पर डिग्रियों को बेच रहे हैं। इस दिशा में अब तक किए गए विनियामक प्रयास न तो सिस्टम में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार को रोक पाए हैं, और न ही गुणवत्ता के लिए निर्धारित बुनियादी मानकों को लागू कर पाए हैं, बल्कि इन प्रयासों का इस क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।' कुछ परिवर्तनों के साथ ऐसे ही निष्कर्ष विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही अधिकांश नियामक संस्थाओं पर आज भी लागू होते हैं। इनमें से एक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) ने अभी कुछ महीने पहले अपने लगभग 800 निरीक्षणकर्ताओं को हटाया, क्योंकि उसके कुछ निरीक्षणकर्ताओं को सीबीआइ ने पकड़े थे। जो इसे समझ सकता है, वह यह भी समझ जाएगा कि एनसीटीई की साख में बट्टा लगाने के लिए भी कौन लोग जिम्मेदार थे। इस समस्या का समाधान संभव है। इसका उदाहरण एनसीटीई ने ही 1998 के आसपास देश के समक्ष रख दिया था। एक बड़े राज्य के मंत्रिमंडल ने अक्टूबर/नवंबर में 70 नए बीएड कालेज 'उसी वर्ष' से खोलने की स्वीकृति प्रदान कर दी थी। यह एनसीटीई के नियमों का खुला उल्लंघन था। इस संस्था ने हरसंभव प्रयास किया कि इस स्वीकृति को अगले वर्ष तक रोका जाए। न राज्य सरकार से, न मुख्यमंत्री के स्तर पर कोई सुनवाई हुई। शिक्षा में उत्कृष्टता, गुणवत्ता और नवाचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रशिक्षित, प्रतिबद्ध और समर्पित अध्यापक हैं। किसी भी स्कूल या बड़े संस्थान की साख उसके अध्यापकों, प्राध्यापकों और प्रबंधकों की नियति, लगनशीलता, कर्मठता और सत्य-निष्ठा पर निर्भर करती है। इस शाश्वत सत्य को सरकारों को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज को भी स्वीकार करना होगा। उसे हर स्वीकृत पद पर नियमित नियुक्ति पद खाली होने से पहले पूरी करनी होगी। देश के सामने इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

अहिंसा का जन्म नम्रता और करुणा द्वारा होता है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' आरोप से गरमाई बहस

किसी भी देश में लोकतंत्र की मजबूती और विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें सरकार के चुने जाने की प्रक्रिया कितनी स्वच्छ, स्वतंत्र और पारदर्शी है। इसके लिए चुनाव आयोजित कराने वाली संस्था को यह सुनिश्चित करना होता है कि कोई भी नागरिक वोट देने के अधिकार से वंचित न हो, मतदान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तथा चुनाव में हिस्सेदारी करने वाले सभी दलों के लिए भरोसेमंद हो और नतीजों को लेकर सभी पक्ष संतुष्ट हों।

मगर देश में होने वाले अमूमन हर चुनाव के बाद जिस तरह के विवाद सामने आते रहे हैं, मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी और इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों के समूचे तंत्र के साथ-साथ नतीजों तक को लेकर जैसे सवाल उठे हैं, उससे कई तरह की आशंकाएं खड़ी हुई हैं। अब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को सार्वजनिक रूप से कई जगहों पर हुए मतदान और उसमें हुई गड़बड़ियों के संदर्भ में चुनाव आयोग की कार्यशैली को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए हैं, वे अपनी प्रकृति में बेहद गंभीर हैं और स्वाभाविक ही इस पर चुनाव आयोग की ओर से स्पष्टता की अपेक्षा की जा रही है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि लोकसभा चुनावों, महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली की गई। उन्होंने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का आंकड़ा सामने रखते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में हेरफेर, फर्जी मतदाता, गलत पते, एक पते पर कई मतदाता, एक मतदाता का नाम कई जगह की सूची में होने जैसे कुछ खास तरीकों पर आधारित 'वोट चोरी' करने के इस माडल को कई निर्वाचन क्षेत्रों में अमल में लाया गया, ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिल सके।

हालांकि चुनावी गड़बड़ियों की शिकायतें पहले भी आती रही हैं, लेकिन आमतौर पर वे किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकीं या फिर निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें निराधार घोषित किया जाता रहा है। अब इस बार जिस गंभीर स्वरूप में इस मामले को उठाया गया है, उसके बाद देश भर में यह बहस खड़ी हो गई है कि अगर इन आरोपों का मजबूत आधार है तो इससे एक तरह से समूची चुनाव प्रक्रिया की वैधता कठघरे में खड़ी होती है। इस मसले पर चुनाव आयोग ने फिलहाल कोई जवाब देने के बजाय राहुल गांधी से शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कर शिकायत देने या फिर देश की जनता को गुमराह न करने को कहा है। मगर राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' का दावा करते हुए जिस तरह अपने आरोपों को सबूतों पर आधारित बताया है, उसके बाद चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह समूची चुनावी प्रक्रिया पर भरोसे को बहाल रखने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ इस संबंध में उठे सवालों का जवाब सामने रखे।

अगर वास्तव में कोई गड़बड़ी रही है, तो कमियों को स्वीकार करके उसमें सुधार करना देश के हित में ही होगा। यों भी, मतदाता सूची में गलत तरीके से नाम हटाने और जोड़ने या फर्जी मतदान के जरिए नतीजों को प्रभावित करने को लेकर हर चुनाव के बाद विवाद खड़े होते रहे हैं। बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में भी लाखों मतदाताओं को बाहर किए जाने को लेकर कई सवाल उठे हैं।

ऐसे में समूची चुनावी प्रक्रिया के साथ-साथ मतदान और नतीजों के संबंध में सौ फीसद पारदर्शिता तथा ईमानदारी सुनिश्चित होने को लेकर आम लोगों के बीच भरोसा होना लोकतंत्र के जीवन के लिए जरूरी है।

पानी के ऊपर नाव और नीचे फर्राटा भरती हैं गाड़ियां

जरा हट के

नीदरलैंड्स में वेलुवमीर एक्वाडक्ट नाम का एक अनोखा पुल है, जो हार्डरविक शहर के पास N302 सड़क पर स्थित है. यह कोई साधारण पुल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा जलसेतु है जो एक बड़े जलमार्ग को सड़क के ऊपर से ले जाता है. यह एक्वाडक्ट नीदरलैंड्स की मुख्य भूमि को फ्लेवोलैंड से जोड़ता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा कृत्रिम आइलैंड है. 2002 में यातायात के लिए खोले गए इस एक्वाडक्ट की सबसे खास बात यह है कि इसके ऊपर नावों के लिए पानी बहता है, जबकि इसके नीचे से गाड़ियां फरार्टे भरती हैं. यह एक्वाडक्ट 25 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा है, जिसमें 3 मीटर गहरा पानी है, जो छोटी नावों को आसानी से गुजरने देता है. इसके नीचे से हर दिन करीब 28,000 गाड़ियां गुजरती हैं. एक्वाडक्ट के दोनों ओर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ बनाए गए हैं, ताकि लोग इस अद्भुत नजारे का आनंद ले सकें. इस अनोखी संरचना को बनाने के पीछे की वजह भी उतनी ही दिलचस्प है. जब फ्लेवोलैंड को बाकी नीदरलैंड्स से जोड़ने के लिए इस सड़क का निर्माण किया जा रहा था, तो इंजीनियरों के सामने एक बड़ी चुनौती थी- सड़क और झील के जलमार्ग को एक साथ कैसे चलाया जाए. एक ड्रॉब्रिज या सुरंग बनाने पर विचार किया गया था, लेकिन दोनों ही विकल्प में कई समस्याएं थीं. ड्रॉब्रिज बनाने से हर दिन गुजरने वाली हज़ारों गाड़ियों के यातायात में बार-बार बाधा आती, जिससे भारी ट्रैफिक जाम हो जाता.

दूसरी ओर, झील के नीचे से एक लंबी सुरंग बनाना बहुत महंगा और मुश्किल काम था. इन समस्याओं से बचने के लिए डच इंजीनियरों ने एक रचनात्मक और कम खर्चीला समाधान निकाला- सड़क के ऊपर से पानी का एक छोटा पुल बनाना. इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 61 मिलियन डॉलर का खर्च आया, लेकिन इसने यातायात को बिना किसी रुकावट के जारी रखने का एक बेहतरीन तरीका पेश किया. इस एक्वाडक्ट के निर्माण में 22,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया है और पानी के भारी वजन को संभालने और सड़क पर रिसाव को रोकने के लिए स्टील शीट्स भी लगाई गई हैं.

खाना-खजाना

फलाहारी पराठा

ज्यादातर लोग सोमवार के व्रत में फलाहारी खाने का सेवन करते हैं। ऐसे में यहां हम आपको फलाहारी पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं। अगर आप व्रत में कुछ अलग बनाने का सोच रही हैं तो फलाहारी आलू का पराठा एक बेहतर विकल्प है।

■ **सामग्री :**

- 1 कप साबूदाना
- 1/2 कप कुट्टू का आटा
- 2 उबले आलू
- 2 हरी मिर्च
- 1 इंच अदरक
- हरा धनिया
- सेंधा नमक
- 1/2 टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 2 टेबलस्पून घी

■ **विधि :**

फलाहारी आलू का पराठा बनाने के लिए आपको सबसे पहले साबूदाना को अच्छी तरह से धोकर 5- 6 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखना है। जब ये फूल कर नर्म हो

जाए तो इसे पानी से निकालकर सुखा लें। इसका सारा पानी निकालकर साबूदाना में उबले हुए आलू डालें और इसे अच्छी तरह से मैश करें। आलू और साबूदाना का डो तैयार करने के लिए इसमें थोड़ा सा कुट्टू का आटा डाल सकते हैं। इससे इसे बेलने में आसानी रहेगी।

अब इसे सही से मिक्स करने के बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। इन सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। अब आपका ये डो या पराठे का आटा बनकर तैयार है। आखिर में इसकी छोटी-छोटी लोई बनाएं और फिर इसे बेलन की सहायता से गोल-गोल बेल लें। अगर ये बेलने पर चिपक रहा है तो आप इस पर थोड़ा सा कुट्टू का आटा छिड़क लें। अब पराठे को तवे पर रखें और दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें। इसे आप सिर्फ फलाहारी चटनी और दही के साथ भी परोस सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा।

मिथुन : मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें।

तुला : व्यापारिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा को नया काम मिलेगा। कारोबार में नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक : आज कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। आपकी कोई योजना फलीभूत होगी। धन निवेश का तत्काल लाभ नहीं होगा। अत: जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

धनु : अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कुंभ : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

मीन : कारोबार में आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पत्नी के सहयोग से भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन या दुकान इत्यादि की खरीदी से मनोनुकूल लाभ देगी। छात्रों हेतु समय अच्छा रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बालों की ग्रोथ के लिए क्या है बेस्ट?

आजकल बालों का झड़ना और कमजोर होना एक आम समस्या बन गई है। इस परेशानी से निजात पाने के लिए लोग कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से एक ऐसा ही नेचुरल उपाय है- **रोजमेरी।**

रोजमेरी बालों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि बालों की ग्रोथ के लिए रोजमेरी वॉटर ज्यादा असरदार है या रोजमेरी ऑयल। आइए, इस आर्टिकल में जानते हैं इन दोनों के फायदे, इस्तेमाल का तरीका और दोनों में से कौन-सा ज्यादा बेहतर है।

रोजमेरी ऑयल

रोजमेरी एसेंशियल ऑयल को बालों के लिए एक पावरहाउस माना जाता है। इसमें मौजूद कार्नोसिक एसिड स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों को भरपूर पोषण मिलता है।

यह न केवल बालों के झड़ने को रोकता है, बल्कि नए बालों को उगाने में भी मदद करता है। कई शोध में यह पाया गया है कि रोजमेरी ऑयल 2% मिनोक्सिडिल जितना ही प्रभावी हो सकता है, जो कि बालों के झड़ने के इलाज के लिए एक सामान्य दवा है।

रोजमेरी ऑयल के फायदे

बालों का झड़ना कम करे: यह बालों के रोमों को मजबूत बनाता है और उन्हें समय से पहले झड़ने से रोकता है।

नए बाल उगाए: यह स्कैल्प में ब्लड फ्लो को बढ़ाकर बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

रूसी और खुजली से राहत: इसमें एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो रूसी और स्कैल्प की खुजली को कम करने में मदद करते हैं।

सफेद बालों को रोके: यह समय से पहले बालों के सफेद होने की समस्या को भी कम कर सकता है।

इस्तेमाल का सही तरीका

रोजमेरी ऑयल को कभी भी सीधे स्कैल्प पर नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह बहुत गाढ़ा होता है। इसे हमेशा किसी कैरियर ऑयल जैसे नारियल तेल, जोजोबा तेल या जैतून के तेल के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें।

ऑयल मसाज: अपने नियमित तेल में रोजमेरी तेल की 4-5 बूंदें मिलाएं। इस मिश्रण से अपनी स्कैल्प पर धीरे-धीरे मसाज करें। इसे कम से कम 30 मिनट या रात भर के लिए लगा रहने दें और फिर शैम्पू से धो लें।

शैम्पू के साथ: आप शैम्पू करते समय भी शैम्पू में रोजमेरी ऑयल की कुछ बूंदें मिला सकते हैं।

रोजमेरी वॉटर

रोजमेरी वॉटर बालों की देखभाल के लिए एक आसान और लाइट ऑप्शन है, जिसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जिनकी स्कैल्प ऑयली है या जो तेल लगाना पसंद नहीं करते।

रोजमेरी वॉटर के फायदे

स्कैल्प को साफ रखे: यह स्कैल्प के पोर्स को खोलने और सूजन को कम करने में मदद करता है।

बालों को पोषण दे: यह बालों के रोम में एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व पहुंचाता है।

डेली यूज: इसे रोजाना बालों पर स्प्रे किया जा सकता है, बिना किसी भारीपन के।

चमकदार बाल: नियमित इस्तेमाल से बालों में चमक आती है।

क्या है बेस्ट?

अगर आप बालों की ग्रोथ और उनकी समस्याओं के लिए एक असरदार इलाज चाहते हैं, तो रोजमेरी ऑयल बेहतर ऑप्शन है। यह बालों के रोमों में गहराई तक जाकर काम करता है और इसके परिणाम जल्दी दिखाई देते हैं।

दूसरी तरफ, अगर आप एक हल्का, रोजमर्रा का उपाय ढूंढ रहे हैं जो स्कैल्प को हेल्दी रखे और बालों को पोषण दे, तो रोजमेरी वॉटर एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह उन लोगों के लिए भी अच्छा है जिन्हें तेल लगाना पसंद नहीं है।

इस्तेमाल का सही तरीका

कैसे बनाएं: एक कप पानी में ताजी या सूखी रोजमेरी की पत्तियां डालें। इसे 5-10 मिनट तक उबालें, जब तक कि पानी का रंग न बदल जाए। फिर इसे ठंडा करके छान लें और एक स्प्रे बोतल में भर लें।

कैसे लगाएं: इस पानी को रोज अपनी स्कैल्प और बालों पर स्प्रे करें और हल्के हाथों से मसाज करें। इसे धोने की जरूरत नहीं है। आप इसे 1-2 हफ्ते तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

सेहत में चार चांद लगा सकती है नो-ऑयल डाइट

■ 30 दिनों तक करें फॉलो; 5 फायदे कर देंगे हैरान

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत का सही ढंग से ध्यान नहीं रख पा रहे हैं। इसके लिए वे अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय निकालकर जिम जाते हैं। साथ ही कुछ स्ट्रिक्ट डाइट रूटीन को फॉलो करते हैं। ये खाना थोड़ा बेस्वाद लगता है लेकिन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, हमारे यहां भारत में खूब तेल मिर्ची वाले चटपटे व्यंजन बनाए जाते हैं। इनका स्वाद जबरदस्त होता है, लेकिन ये हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी सही नहीं होते हैं। तेल हमारे किचन का अहम हिस्सा है। लेकिन अगर तेल का इस्तेमाल ज्यादा हो जाए तो ये सेहत के लिए जहर बन सकता है। अगर आप खाने में ज्यादा ऑयल यूज करते हैं तो इससे मोटापा, दिल की बीमारियां और कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स का खतरा बढ़ जाता है। ऑयल में मौजूद ज्यादा कैलोरी आपको कई तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं।

यही कारण है कि लोग अब नो-ऑयल डाइट के ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। आज का हमारा लेख भी इसी विषय पर है। हम आपको बताएंगे कि नो-ऑयल डाइट ट्रेंड क्या है और इससे हमारी सेहत को कौन-कौन से फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं विस्तार से -

■ नो-ऑयल डाइट क्या है?

आपको बता दें कि नो-ऑयल डाइट (No Oil Diet) में खाने में डाले जाने वाले रिफाइंड या वेजिटेबल ऑयल को पूरी तरह से हटा दिया जाता है। इसकी जगह साबुत और नेचुरल चीजे जैसे फ्रूट्स, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, ड्राई फ्रूट्स और बीज खाए जाते हैं। इनमें पहले से ही थोड़ा बहुत नेचुरल फैट मौजूद होता है। इससे आपका शरीर सेहतमंद होता है।

■ नो-ऑयल डाइट के फायदे

जब आप खाने से पूरी तरह से तेल को हटा देते हैं तो इससे वजन कम करना आसान हो जाता है। स्टीम की हुई दाल, ग्रिल की हुई सब्जियां और बिना तेल से बनी चीजों को डाइट में शामिल करने से फैट बर्निंग तेजी से होता है।

रिफाइंड तेल में ओमेगा-6 फैट्स ज्यादा मात्रा में मौजूद होते हैं। अगर आप डाइट से इसे हटा देंगे तो शरीर में सूजन कम होती है और कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहेगा। इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

नो ऑयल डाइट लेने से खाना आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है। ये पेट, लिवर और पैंक्रियाज पर दबाव कम डालता है, जिससे गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्या से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा डाइट में तेल का इस्तेमाल न करने से चेहरे पर मुंहासे और दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके साथ ही आपका शरीर भी डिटॉक्स होता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है।

आपको बता दें कि ऑयली चीजों को न खाने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। इससे बार-बार भूख लगना, मूड स्विंग और ज्यादा खाने की आदत कम होती है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेटी से पिटवाती है बीवी, दूसरे मर्दों को घर बुलाती है, कारोबारी ने वीडियो बनाकर दी जान

चंदौली. यूपी के चंदौली से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने बीवी और बेटी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। हालांकि जान देने पहले शख्स ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। जिसमें उसने परिवार से प्रताड़ित होने की बात कही। साथ ही घर पर दूसरे मर्दों को बुलाने का भी आरोप लगाया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। ये घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के केशवपुर गांव का है। यहां रहने वाले 46 साल के मनोज गोंड प्रॉपर्टी डीलर के साथ बिल्डिंग मटेरियल की दुकान भी चलाते थे। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह व्यापारी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली आर-पार हो गई थी। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मनोज का शव कमरे में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम को मौके से 315 बोर के अवैध असलहा बरामद हुआ। इसके अलावा मोबाइल में एक वीडियो मिला। जिसमें व्यापारी ने पारिवारिक कलह से उब कर आत्महत्या करने की बात कही।

लोन पर गाड़ियां लेने वाले ने किस्तें न चुकाईं, गारंटर ने वीडियो वायरल कर खुद को लगाई फांसी

झांसी. यूपी के झांसी से दिल दुखाने वाली एक घटना सामने आई है। यहां किशोर सिंह नाम के एक ट्रक कारोबारी ने खुद को फांसी लगाकर जान दे दी। मरने से पहले उसने एक वीडियो में अपनी बेबसी की कहानी भी बयां की। साथ ही परिवारवालों की सुरक्षा और परेशानी की वजह बने शख्स के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। किशोर सिंह ने चंद्रपाल की गाड़ियों के लोन के लिए बैंक में गारंटी दी थी। मरने से पहले बनाए वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि चंद्रपाल किस्तें नहीं भर रहा है। इसके चलते उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि अब खुद की जान लेने के अलावा उन्हें कोई और विकल्प नहीं सूझ रहा है। यह वीडियो बनाने के बाद किशोर सिंह ने खुद को फांसी लगाकर जान दे दी।

यूपी में भीषण सड़क हादसा, बाइक से टकराकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 5 की दर्दनाक मौत

श्रावस्ती. यूपी के श्रावस्ती से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली से जुड़ी मिक्सर मशीन की चपेट में आने से बाइक सवार पांच लोगों की मौत हो गई। जबकी एक घायल हो गया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोमवार को विजय वर्मा अपनी पत्नी सुनीता, एक साल के बेटे, बहन मंगलावती, भांजी नीतू और ज्ञानवती के साथ एक ही बाइक पर शंकरपुर से नवाबगंज की ओर जा रहे थे कि रहमतू गांव के पास उनकी बाइक एक ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर उन्हें कुचलते हुए बेकाबू होकर पलट गई, जिससे ट्रैक्टर का ड्राइवर भी घायल हो गया।

कबूतरों को दाना डालने वालों पर दर्ज करो FIR

- कबूतर प्रेमियों को SC से बड़ा झटका
- जैन मुनि का मानने से इनकार

नई दिल्ली. मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है और याचिकाकर्ताओं से हाई कोर्ट जाने को कहा है। इतना ही नहीं जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ भीड़ द्वारा दादर कबूतरखाना को जबरदस्ती खोलने और कबूतरों को दाना डालने की घटना पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है कि जो लोग भी, इस तरह कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं, इन्हें गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाए। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'इस न्यायालय द्वारा समानांतर हस्तक्षेप उचित नहीं है। याचिकाकर्ता आदेश में संशोधन के लिए हाई कोर्ट जा सकता है।' पीठ ने हाई कोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि कबूतरों को दाना डालना गंभीर स्वास्थ्य संबंधी खतरा पैदा करता है। शीर्ष अदालत ने बृहन्मुंबई नगर निगम को निर्देश दिया कि वह उन लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करे जो निगम के निर्देशों का उल्लंघन कर मुंबई के 'कबूतरखानों' में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं।

हाई कोर्ट ने क्या कहा था?

हाई कोर्ट ने पिछले महीने पशु प्रेमियों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा दायर कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था और कहा था कि दादर, चर्चगेट से लेकर विभिन्न स्थानों पर, चौराहों पर बने कबूतरखानों पर कबूतरों को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी उत्पन्न करने वाला कृत्य है और इससे लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा है। अदालत ने साथ ही मुंबई नगर निगम को ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। इसमें दादर, चर्चगेट से लेकर विभिन्न स्थानों पर, चौराहों पर बने कबूतरखानों पर कबूतरों को दाना खिलाने से रोकने का आदेश दिया था।

कबूतरखानों' को ध्वस्त करने पर रोक

शुरुआत में, हाई कोर्ट ने BMC को 'कबूतरखानों' को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन यह भी कहा था कि कबूतरों को दाना डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। 30 जुलाई को, स्वास्थ्य संबंधी खतरों और लोगों द्वारा नगर निगम अधिकारियों के कार्य में बाधा डालने के बावजूद कबूतरों को दाना डालने की गतिविधियों के जारी रहने को देखते हुए, न्यायालय ने कबूतरों के समूहों को दाना डालना जारी रखने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का निर्देश दिया था।

जैन समुदाय में रोष

बता दें कि पिछले दिनों जैन और गुजराती समुदाय के लोगों ने मुंबई में इसके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया था और दादर कबूतरखाने के ऊपर लगे तिरपाल को फाड़ दिया था और वहां कबूतरों को दाना डाला था। इसके खिलाफ कई राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। मामला गरम होते देख खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को दखल देना पड़ा था और स्पष्ट किया था कि बीएमसी के लोग कबूतरों को दाना देंगे। उनके अलावा किसी को इसकी इजाजत नहीं होगी।

भाजपा अध्यक्ष चुनने में क्यों हो रही देरी?

नई दिल्ली. NDA यानी सत्तारूढ़ गठबंधन की कप्तान भारतीय जनता पार्टी 2 अहम चुनावों से घिरी हुई है। पहला 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार को चुनना। साथ ही केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के बाद अध्यक्ष पद के लिए नेता का चयन करना। चर्चाएं हैं कि इस मुद्दे पर फैसला नहीं होने की वजह भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच नाम पर सहमति नहीं बन पाना है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। बीते सप्ताह ही उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के चयन की जिम्मेदारी NDA दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नड्डा पर छोड़ दी। कहा जा रहा है कि इनमें एक छिपा हुआ संदेश यह भी है कि नड्डा उपराष्ट्रपति चुनाव होने तक अध्यक्ष बने रहेंगे। यानी 9 सितंबर तक। खास बात है कि भाजपा अध्यक्ष पद का चुनाव लंबे समय से लंबित है। नड्डा इस पद पर तीन कार्यकाल से हैं और संभावनाएं जताई जा रही थीं कि चुनाव जून 2024 में हो सकते थे।

द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा को ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष पद से हटाना मुश्किल होगा, जिसे NDA ने पीएम मोदी के साथ उम्मीदवार चुनने की जिम्मेदारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा कहा जा रहा है कि संघ के विचार इससे अलग हैं। यही वजह है कि पार्टी प्रमुख के नाम को लेकर सहमति नहीं बन सकी है।

लंबे समय से चल रही है चर्चा

संघ और भाजपा के बीच अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा 12 जनवरी 2025 को शुरू हुई। रिपोर्ट के अनुसार, उस समय हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम चर्चा में चल रहा था। हालांकि, दिल्ली चुनाव के चलते चर्चाओं पर कुछ समय के लिए विराम लग गया था।

किसके पक्ष में है संघ!

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि संघ कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम को लेकर दिलचस्पी दिखा रहा है, लेकिन इस पर दोनों में सहमति नहीं है। वहीं, चर्चाओं में भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान जैसे वरिष्ठ नेताओं का नाम भी है।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च

- पुलिस ने रोका तो अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदी
- प्रदर्शन में महिला सांसद बेहोश हुईं

नई दिल्ली. वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा किया गया।

प्रदर्शन के दौरान TMC सांसद मिताली बाग की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ और कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई थी। जो दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू हुई।

मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में 'वोट बचाओ' के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

बाद में अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाते दिखे। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे इन सांसदों को हिरासत में ले लिया था।।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने 184 फ्लैट्स

- PM मोदी ने उद्घाटन किया
- ये आधुनिक सुविधाओं और ग्रीन टेक्नोलॉजी से लैस

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। ये सभी फ्लैट्स टाइप-7 के मल्टी-स्टोरी अपार्टमेंट हैं। PM मोदी ने 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया। इसके अलावा श्रमजीवियों से मुलाकात की।

उद्घाटन के दौरान पीएम ने कहा- इन चार टावरों को बहुत सुंदर नाम दिए गए हैं, कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली, जो भारत की चार महान नदियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो लाखों लोगों को जीवन देती हैं।

ये नए फ्लैट्स इसलिए बनाए गए क्योंकि सांसदों के लिए आवास की कमी थी। सीमित जमीन होने के कारण यहां ऊंची इमारतों का निर्माण किया गया, जिससे जगह का बेहतर इस्तेमाल हो और रखरखाव का खर्च कम हो।

नए फ्लैट्स में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

नए बने फ्लैट्स का यह कॉम्प्लेक्स पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें ग्रीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा बचाने वाला है। प्रोजेक्ट को जीआरआईएचए (GRIHA) 3-स्टार रेटिंग के मानकों और 2016 के नेशनल बिल्डिंग कोड के नियमों के अनुसार बनाया गया है।

हर फ्लैट करीब 5 हजार स्क्वायर फीट के कारपेट एरिया का है, जिसमें सांसदों के रहने के साथ-साथ उनके दफ्तर, स्टाफ के कमरे और सामुदायिक केंद्र की सुविधा भी है। सभी इमारतें भूकंप-रोधी हैं और सुरक्षा के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं।

रेप के दोषी आसाराम को अंतरिम-जमानत मिली

जोधपुर. गुजरात और राजस्थान में आजीवन कारावास की सजा काट रहे रेप के दोषी 86 साल के आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की ओर से 8 अगस्त को दायर अपील पर आज सुनवाई की। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ा दी है।

कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट्स पेश

आसाराम की ओर से वकील निशांत बोड़ा ने हाल की मेडिकल रिपोर्ट्स कोर्ट में पेश की थी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने भी पिछले दिनों इसी ग्राउंड पर आसाराम की अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ाई थी।

इंदौर के हॉस्पिटल में भर्ती है रेपिस्ट

गुजरात हाईकोर्ट की ओर से जारी आदेश से सामने आया था कि आसाराम की 'ट्रोपोनिन लेवल' बहुत ज्यादा है। यह चिंताजनक है। उसका इलाज कर रहे डॉक्टर के अनुसार, आसाराम की स्थिति क्रिटिकल है। वर्तमान में इंदौर के जूपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती है।

अहमदाबाद में बनेगा डॉक्टरों का पैनल

राजस्थान हाईकोर्ट के जज दिनेश मेहता और विनीत कुमार माथुर ने उसकी सेहत की जांच को लेकर निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने अहमदाबाद के सरकारी हॉस्पिटल में डॉक्टरों का एक पैनल बनाने को कहा है। इसमें दो हृदय रोग (कार्डियोलॉजिस्ट) विशेषज्ञ भी होंगे।

यह डॉक्टरों की टीम आसाराम की बताई गई बीमारियों की पूरी जांच करेगी। खास तौर पर उनके दिल से जुड़ी समस्या की जांच की जाएगी, क्योंकि उनके खून में 'ट्रोपोनिन' की मात्रा ज्यादा बताई गई है। यह दिल के लिए नुकसानदेह हो सकती है। डॉक्टरों

श्रद्धालुओं को मंदिर लेकर जा रही पिक-अप खाई में गिरी, 7 की मौत

पुणे. पुणे में मंगलवार को सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। एक पिक-अप वैन में महिलाएं और बच्चे सवार थे, जो पापलवाडी गांव के कुंडेश्वर मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान गाड़ी अचानक 25-30 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा महालुंगे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुआ।

बैंक से 14 करोड़ का सोना लूटा

- 15 मिनट में वारदात कर भागे हथियारबंद बदमाश
- 4 जिलों में अलर्ट

जबलपुर. जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर खितौला इलाके में हथियारबंद बदमाशों ने सोमवार सुबह 11 बजे बैंक लूट लिया। लुटेरों ने बैंक कर्मचारियों को कट्टा दिखाकर धमकाया। फिर 15 मिनट में 14 किलो 800 ग्राम सोना और 5 लाख 70 हजार रुपए नकद लेकर भाग निकले। लूटे गए सोने की अनुमानित कीमत साढ़े 14 करोड़ से ज्यादा आंकी गई है। पुलिस ने जिले में नाकाबंदी कर दी है। पूरे जबलपुर सहित कटनी, मंडला, डिंडोरी पुलिस को अलर्ट किया गया है। जबलपुर पुलिस के मुताबिक, वारदात इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक की है। यहां छह युवक तीन बाइकों पर सवार होकर आए। बैंक के बाहर बाइक खड़ी कर एक-एक कर अंदर पहुंचे। कुछ देर बैंक कर्मचारियों की वर्किंग देखते रहे। फिर कट्टा निकालकर अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाने लगे। वे बार-बार गोली मारने की धमकी दे रहे थे। जब लुटेरे बैंक के बाहर निकल गए, तब अधिकारियों ने खतरे का सायरन बजाया।

सुबह 8 से 9 बजे के बीच खोला बैंक

अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक सोना गिरवी रखकर लोन देने का काम करता है। बैंक खुलने का समय सुबह 10.30 बजे है, लेकिन त्योहार के कारण पिछले कुछ दिनों से यह सुबह 8 से 9 बजे के बीच खुल रहा है। वारदात के समय सुरक्षा गार्ड भी तैनात नहीं था। सीसीटीवी में 4 बदमाश नजर आ रहे हैं।

एशिया कप के लिए हार्दिक का फिटनेस टेस्ट होगा

- सूर्या NCA में एक हफ्ते और रुकेंगे
- 9 सितंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

एशिया कप 2025 से पहले भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की फिटनेस को लेकर अपडेट आया है।

TOI के अनुसार, भारत के एशिया कप 2025 टीम के सिलेक्शन से पहले हार्दिक पांड्या 11 और 12 अगस्त को बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) में रूटीन फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे, जिसके आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाएगा। पंड्या ने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ (वनडे) खेला था।

वहीं, सूर्या का अभी पूरी तरह फिट होना बाकी है। वे NCA में फीजियो और मेडिकल टीम की मौजूदगी में अभी एक हफ्ते और रुकेंगे, ताकि समय पर पूरी तरह फिट हो सकें। उन्होंने जून में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी।

एशिया कप के लिए अभी भारतीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। उससे पहले खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट किया जा रहा है। पिछले महीने श्रेयस अय्यर का किया गया था।

- सूर्यकुमार की जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई

सूर्या ने जून में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी। 34 साल के सूर्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा था, 'लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।' सूर्या ने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ (टी-20) खेला था।

ट्रक से कुचलकर मरी पत्नी, मदद नहीं मिली तो बाइक पर बांधा शव, 80 किलोमीटर तक चला

नागपुर. हाईवे पर दुर्घटना के शिकार लोगों को मेडिकल सहायता प्रदान करने की तमाम व्यवस्थाओं के दावे किए जाते रहे हैं। लेकिन नागपुर से जो तस्वीर आई है, वह बेहद दुखद है। नागपुर को जबलपुर से जोड़ने वाले हाईवे पर एक शख्स की पत्नी का ट्रक से टक्कर लगने के चलते निधन हो गया। शख्स ने कई कोशिशें कीं कि कोई मेडिकल सुविधा मिल जाए। एंबुलेंस मिल जाए, जिससे उसे अस्पताल तक पहुंचाया जा सका। आसपास से गुजर रहे लोगों ने भी कोई मदद नहीं की। अंत में उसने महिला के शव को बाइक पर ही बांध लिया और लेकर जाने लगा। शख्स की पहचान अमित यादव के तौर पर हुई है।

सोशल मीडिया पर इसका विचलित करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। महिला का ऐक्सिडेंट एक तेज रफ्तार ट्रक से हो गया था।

लावारिस कुत्तों को पकड़कर 'डॉग शेल्टर' में भेजने का आदेश

नई दिल्ली. दिल्ली में लावारिस कुत्तों की समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा आदेश दिया। सर्वोच्च अदालत ने 8 सप्ताह के भीतर सभी लावारिस कुत्तों को पकड़कर 'डॉग शेल्टर' में भेजने का आदेश दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यह भी साफ किया कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था की ओर से कुत्तों को पकड़ने में बाधा डाली गई तो उसके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा। अदालत ने पूछा कि क्या ऐसे लोग उन्हें वापस ला सकते हैं जो रेबीज का शिकार हो गए?

कुत्तों के काटने की घटनाओं से निपटने के लिए कई निर्देश पारित करते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि फिलहाल लगभग 5,000 आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर बनाए जाने चाहिए और कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारी तैनात किए जाने चाहिए। पीठ ने कहा कि आवारा कुत्तों को डॉग शेल्टर में में रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर न छोड़ा जाए।

शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्तों के काटने से रेबीज फैलने की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था। सबसे बड़ी अदालत ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर एक हेल्पलाइन बनाने का भी निर्देश दिया ताकि कुत्तों के काटने के सभी मामलों की तुरंत सूचना दी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को दिल्ली से सभी लावारिस कुत्तों को हटाने का काम शुरू करने को कहा। अदालत ने कहा कि नवजात और छोटे बच्चे कुत्तों को शिकार नहीं बनने चाहिए। अदालत यह भी साफ किया कि कुत्तों को पकड़ने के बाद वापस ना छोड़ा जाए। शेल्टर की सीसीटीवी से निगरानी की जाए ताकि यह सुनिश्चित हो कि यहां से कुत्ते वापस ना निकलें।

बचाने की कोशिश की तो ऐक्शन

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि यदि इन कुत्तों को पकड़ते समय किसी व्यक्ति या संस्था ने बाधा डालने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। अदालत की अवमानना का मामला भी चलाया जाएगा। अदालत ने कहा, 'यदि कोई व्यक्ति या संस्था कुत्तों को पकड़ने से रोकता है तो हम उनके खिलाफ ऐक्शन लेंगे।' अदालत ने लावारिस पशुओं को बचाने वाले लोगों से पूछा, 'ये सभी जानवरों के लिए काम करने वाले एक्टिविस्ट, क्या वे उन लोगों को वापस ला सकते हैं जो रेबीज का शिकार हो गए?' अदालत ने कहा कि कुत्तों को शेल्टर में भेजने का आदेश जनहित को ध्यान में रखकर दिया गया है।

बच्ची को मुक्का मारा, सिर दीवार पर पटका

- नोएडा के डे केयर सेंटर में सहायिका ने 15 महीने की बच्ची से क्रूरता की

उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के डे केयर सेंटर में 15 माह की बच्ची से क्रूरता का सीसीटीवी सामने आया है। आरोप एक नाबालिग सहायिका पर है। सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि उसने बच्ची को बुरी तरह से पीटा। उसने बच्ची के मुंह में खिलौना ठूंस दिया। दो बार जमीन पर पटका। पीठ पर थप्पड़, सीने पर मुक्का मारा। सिर दीवार से टकरा दिया। जांघ पर दांत से काट लिया। इस दौरान बच्ची चीखती-चिल्लाती रही। यह फुटेज 10 मिनट 30 सेकेंड का है। घटना 4 अगस्त 2025 की है। बच्ची की मां की शिकायत पर सेक्टर-142 कोतवाली में डे केयर संचालिका चारु और नाबालिग सहायिका के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सहायिका की उम्र का एफआईआर में जिक्र नहीं है।

बच्ची को घर ले गई तो मां ने जांघ पर चोट देखी

सोसाइटी में रहने वाली मोनिका देवी का आरोप है कि वह अपनी बेटी वेदांशी पटेल को रोजाना ब्लिपी डे केयर में दो घंटे भेजती हैं। चार अगस्त को जब उसे घर लेकर आईं तो वह जोर-जोर से रो रही थी। कपड़े बदलने के दौरान उसकी दोनों जांघों पर दांत के निशान दिखे। इसके बाद वह बच्ची को लेकर डॉक्टर के पास पहुंचीं। डॉक्टर ने उन्हें बताया कि ये निशान दांत से काटे जाने के हैं।

बच्ची की मां मोनिका ने बताया- मैंने मामले की शिकायत डे केयर चलाने वाली चारु और सहायिका से की। इस पर दोनों ने मेरे साथ अभद्रता करते हुए धमकी दी। पहले संचालिका ने CCTV दिखाने से मना कर दिया। लेकिन बाद में विरोध पर फुटेज दिखाई। 10 मिनट 30 सेकेंड की फुटेज में सहायिका पहले बच्ची के मुंह में खिलौना ठूंस देती है।

पूर्व TMC नेता था नोएडा में फेक पुलिस स्टेशन का मास्टरमाइंट, बंगाल में भी ऐक्टिव था गैंग

नोएडा. नोएडा में पुलिस ने हाल ही में फर्जी पुलिस स्टेशन का भंडाफोड़ किया था। ये फर्जी पुलिस स्टेशन 'इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' के नाम से सेक्टर 70 में चलाया जा रहा था। पुलिस ने इसका भंडाफोड़ करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तार किए गए लोगों में टीएमसी के पूर्व नेता बिभास अधिकारी भी शामिल है। उनके साथ-साथ उनके बेटे को भी गिरफ्तार किया गया है। बिभास अधिकारी ही इस गैंग के मास्टरमाइंड बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कोलकाता में भी वह इसी तरह का गिरोह चलाते थे। बिभास अधिकारी पश्चिम बंगाल में बीरभूम के नलहाटी से तृणमूल के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष थे। शिक्षा भर्ती घोटाले में वह ईडी और सीबीआई जांच का सामना भी कर चुके हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट बताया जा रहा है कि नोएडा में लोगों से पैसे ऐंठने के लिए फेक पुलिस स्टेशन चलाया जा रहा है। आरोपी खुद को सरकारी अधिकारी बताते थे।

संक्षेप...

ठाणे मनपा में ग्रुप-सी, डी, के, 1773 पदों पर भर्ती

ठाणे. मनपा में ग्रुप-'सी' और ग्रुप-'डी' के रिक्त पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासनिक सेवाओं, लेखा सेवाओं, तकनीकी सेवाओं, अग्निशमन सेवाओं, शिक्षा सेवाओं, लोक स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा सेवाओं, पैरामेडिकल सेवाओं आदि में कुल 1773 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए आवेदन 12 अगस्त, 2025 से 2 सितंबर, 2025 तक केवल ऑनलाइन किए जा सकेंगे। इसका लिंक ठाणे नगर निगम की वेबसाइट www.thanecity.gov.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।यह भर्ती प्रक्रिया मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार आयोजित की गई है। भर्ती प्रक्रिया में तुलनात्मक प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त उम्मीदवारों का होना आवश्यक है।

साल के अंत तक ठाणे में दौड़ेगी मेट्रो

सितंबर में मेट्रो का ट्रायल रन, दिसंबर में शुरू होने की संभावना - उपमुख्यमंत्री शिंदे

ठाणे. ठाणे में सितंबर में मेट्रो का परीक्षण होगा और दिसंबर के अंत तक मेट्रो शुरू होने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र में मेट्रो नेटवर्क को मजबूत करने का काम चल रहा है, जिससे सड़कों पर यातायात कम होगा।

ठाणे मनपा द्वारा रविवार को एक मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मेट्रो के काम की जानकारी दी। अगर मेट्रो शुरू होती है, तो नागरिक निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करेंगे और मेट्रो से यात्रा करना शुरू करेंगे। अगर परिवहन के विकल्प अच्छे हैं, तो नागरिक इसका अधिक उपयोग करेंगे। साथ ही, ठाणे में आंतरिक मेट्रो को भी मंजूरी मिल गई है। वडाला-घाटकोपर-कासरवडावली मुख्य मेट्रो लाइन ठाणे में होगी। इस मुख्य मेट्रो लाइन से एक आंतरिक मेट्रो को जोड़ा जाएगा। शिंदे ने कहा कि इससे ठाणेकर को बड़ी राहत मिलेगी।

इसके साथ ही, मुंबई से एक सीधा तटीय मार्ग भी बनाया जा रहा है। यह तटीय मार्ग ठाणे से साकेत खाड़ी होते हुए सीधे गायमुख से फाउंटेन तक जाएगा। शिंदे ने बताया कि यह सड़क मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग को जोड़ेगी। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने बताया कि चूँकि यातायात बाहर से आएगा, इसलिए ठाणे शहर पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

वर्तमान में, ठाणे में वडाला-घाटकोप-कासरवडवली, चार लेन वाली मेट्रो लाइन बनाने का काम चल रहा है। इस काम के कारण घोड़बंदर मार्ग पर भारी यातायात जाम लग रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि मेट्रो शुरू होने के बाद यहाँ के नागरिकों को राहत मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि यह आरोप हमारे प्यारे बहनों, भाइयों, किसानों और महाराष्ट्र के सभी मतदाताओं का अपमान है। एक तरफ, हमने विकास और कल्याणकारी योजनाओं को जोड़ा। इसलिए हमें शानदार जीत मिली। वे इस जीत को पचा नहीं पा रहे हैं। उनके पेट में दर्द है। बाहर आरोप लगाने के बजाय उन्हें चुनाव आयोग और अदालत में जाना चाहिए। राज्य की जनता समझदार है, जनता ने पिछले ढाई से तीन वर्षों में किए गए कार्यों को देखा है। इसलिए, जनता ने घर पर रहने वालों को हमेशा के लिए घर पर रखने का काम किया है। महाराष्ट्र ने कभी 232 की ताकत नहीं देखी। उनके पास अब विपक्ष का नेता बनने की भी ताकत नहीं है। इस कड़वी सच्चाई को पचा लेना चाहिए। हमने लोकसभा के परिणामों को स्वीकार किया था। लेकिन वे केवल आरोप लगाते हैं, शिंदे ने यह भी कहा।

ठाणे मनपा का 1 सितंबर को 'लोकशाही दिवस'

- नागरिकों से 18 अगस्त से पहले आवेदन जमा करने की अपील

ठाणे. मनपा का अगला लोकशाही दिवस सोमवार 1 सितंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। नागरिकों को सितंबर माह में लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले, यानी 18 अगस्त से पहले,मनपा मुख्यालय शहरी सुविधा केंद्र में अपने आवेदन और दो प्रतियाँ जमा कर देनी चाहिए। आवेदन जमा करते समय, आवेदक को प्रत्येक आवेदन के साथ फॉर्म-1 (बी) जमा करना होगा। फॉर्म-1 (बी) शहरी सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है।महाराष्ट्र सरकार, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक प्रसुधा-1099/सीआर-23/98/18-ए, दिनांक 26 सितंबर 2012 के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया है कि दिसंबर 2012 से, नागरिकों के आवेदन लोकशाही दिवस पर स्वीकार करने के बजाय, इस आवेदन की दो प्रतियाँ लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले मनपा कार्यालय में जमा करना आवश्यक है।मुख्यालय में होने वाले इस लोकशाही दिवस में, जिला लोकशाही दिवस में प्रस्तुत किए गए नागरिकों के साथ-साथ जिन अभ्यावेदनों पर 1 महीने से कोई कार्रवाई नहीं हुई है, उन्हें भी स्वीकार किया जाएगा।मनपा मुख्यालय में होने वाले लोकशाही दिवस में अभ्यावेदन प्रस्तुत करते समय, जिला लोकशाही दिवस में प्राप्त टोकन क्रमांक का उल्लेख करना आवश्यक है।आवेदक को एक आवेदन में केवल एक ही शिकायत प्रस्तुत करनी होगी, एक से अधिक शिकायतों वाला आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भिवंडी मनपा की लापरवाही से हो रहे हादसे

- सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को नहीं भरने का दुष्परिणाम भुगत रहे भिवंडीकर

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासन की लापरवाही से हादसे हो रहे हैं. सामाजिक कार्यकर्ता शेख जाहिद मुख्तार ने मनपा आयुक्त और पुलिस उपायुक्त भिवंडी को लिखितपत्र देकर मांग की है की भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका सीमा अंतर्गत सड़कों एवं रास्तों की मरम्मत हेतु निविदाएं जारी होने के बाद भी ठेकेदार द्वारा सड़कों की मरम्मत नहीं की जा रही है.सड़क पर हुए गड्ढों को नहीं भरा जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटनाएं हो रही हैं तथा लोगों की जान जा रही है. लापरवाह ठेकेदारों के बिल निलंबित करने एवं उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया जाए.

जाहिद मुख्तार ने अपने निवेदन में बताया है कि भिवंडी-निज़ामपुर शहर नगर निगम क्षेत्र में मानसून से पहले और बाद में गड्ढों को भरने और सड़कों की मरम्मत के लिए कई निविदाएँ जारी की गईं. हालाँकि, संबंधित ठेकेदारों ने यह काम नहीं किया है.सड़कों पर हुए गड्ढों में गिरकर दुपहिया सवार सहित पदयात्री को गंभीर चोटें आई हैं.खराब सड़कों की वजह से हुए सड़क हादसे में कई जान भी चली गई है.उन्होंने आरोप लगाया है कि, एमएमआरडीए के ज़रिए जो सड़कें बनाई गई हैं, उन पर आज तक न तो ब्रेकर बनाए गए हैं, न ज़ेबरा क्रॉसिंग बनाई गई और इफ़ेक्टर लाइटें लगाई गई हैं. अगर किसी की जान जाती है, तो उसके ख़िलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 103 (हत्या) और 109 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए. दोषी ठेकेदारों के सभी लंबित बिलों के भुगतान को तुरंत रोका जाए.दुर्घटना का कारण बनने वाले ठेकेदारों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 103 (हत्या) और 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए.उन्होंने चेतावनी दी है कि, गणेश पर्व के पूर्व सड़क दुरुस्ती नहीं होने पर आगामी 1 सितम्बर से भिवंडी मनपा मुख्यालय के सामने भूख हड़ताल की जाएगी.

राजस्व सप्ताह के दौरान 184 दावों की गणना पूरी

ठाणे. जिला अधीक्षक भू-अभिलेख नितिन पाटिल के निर्देशानुसार और उप अधीक्षक भू-अभिलेख सचिन वाघ के मार्गदर्शन में राजस्व सप्ताह के दौरान एक महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुआ।ठाणे तहसील के 5 गाँवों में कुल 184 वन अधिकार दावेदारों की मौके पर ही गणना की गई। इस गणना में सभी दावेदारों और श्रमिक संगठनों का सहयोग रहा, जिसके कारण यह कार्य समय पर पूरा हो सका।यह विशेष अभियान वन अधिकार दावेदारों के अधिकारों के सटीक पंजीकरण में मदद करेगा। पिछले कई वर्षों से लंबित इन दावों पर अब कार्रवाई होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। राजस्व सप्ताह का उद्देश्य ऐसे लंबित कार्यों में तेजी लाना और नागरिकों को तत्काल न्याय दिलाना है, और ठाणे में यह उपलब्धि दर्शाती है कि यह उद्देश्य सफल रहा है।इस गणना से अब आगे की कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है और वनाधिकार धारकों को जल्द ही उनके ज़मीनी अधिकार मिलने की उम्मीद है। वनाधिकार दावेदारों ने इस उपलब्धि के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

ठाणे जिला परिषद में 'सत्यमेव जयते किसान कप' मार्गदर्शन कार्यशाला

ठाणे. पानी फाउंडेशन के मुख्य मार्गदर्शक डॉ. अविनाश पोल के मार्गदर्शन में जिला परिषद में 'सत्यमेव जयते किसान कप' प्रतियोगिता पर एक सूचना एवं मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 11 अगस्त को दोपहर 12 बजे समिति हॉल में आयोजित की गई।सत्यमेव जयते किसान कप प्रतियोगिता शुरू करने का उद्देश्य किसानों को समूह खेती में शामिल होकर टिकाऊ और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और उनका उत्पादन व आय बढ़ाना है, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता पूरे महाराष्ट्र में लागू की जा रही है और प्रशासन ठाणे जिले में इसे सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। डॉ. अविनाश पोल ने 'सत्यमेव जयते किसान कप प्रतियोगिता' के उद्देश्य, भागीदारी पद्धति, लाभ और पुरस्कारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग, उत्पादन में वृद्धि, लाभ में वृद्धि और जैविक खेती की ओर सकारात्मक बदलाव पर ज़ोर दिया। प्रत्येक तहसील से 100 किसानों को तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसान समूहों और महिला किसान समूहों को राज्य स्तरीय और तहसील स्तरीय पुरस्कार दिया जाएगा।

रक्षाबंधन के अवसर पर एसएसटी महाविद्यालय द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने वाले उपक्रम

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की बरूनी महिला सशक्तिकरण समिति (WDC), राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और डीएलएलई यूनिट (DLLE) के संयुक्त तत्वावधान में रक्षाबंधन का पर्व सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ मनाया गया।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बरूनी महिला सशक्तिकरण समिति (WDC) ने बदलापुर स्थित संगोपिता सेंटर के विशेष बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। विद्यार्थियों ने वहां के विशेष बच्चों को राखी बांधकर, मिठाई खिलाकर आनंद बांटा। उनके साथ समय बिताते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सामाजिक संवेदनशीलता का अनुभव किया। संगोपिता सेंटर के विद्यार्थी विभिन्न हस्तशिल्प वस्तुएँ बनाकर कई स्थानों पर स्टॉल के माध्यम से अपना कौशल प्रदर्शित करते हैं। उनकी यह जिजीविषा देखकर मिलने आए विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली। यह उपक्रम प्रा. कुमकुम गुरबानी और प्रा. नित्या के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डीएलएलई यूनिट और राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट के स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने पालवी कर्णबधिर विद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ रक्षाबंधन मनाया। इसके अलावा, विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उनके समाज रक्षण में योगदान के प्रति आदर और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रा. कोमल कामरा और प्रा. दिलीप आहुजा उपस्थित थे।

पद्मशाली समाज ने हर्षोल्लास से मनाया नारियल पूर्णिमा

मार्कण्डेय महामुनि की रथयात्रा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

भिवंडी. अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज के आराध्य देवता श्री मार्कण्डेय महामुनि की भव्य रथयात्रा 50 वें वर्ष रक्षाबंधन पर्व मौके पर अखिल पद्मशाली समाज द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकालकर मंदिरों में पंडितों द्वारा धार्मिक रीतिरिवाज से हर्षोल्लास से पूजा अर्चना की गई.उक्त मौके पर सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा,भाजपा विधायक महेश चौगुले, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष एड हर्षल पाटिल समाजसेवक भाजपा नेता कृष्णा गाजेंगी,अखिल पद्मशाली समाज अध्यक्ष रामकृष्णा पोटाबत्तीनी, राजू गाजेंगी,पूर्व पार्षद संतोष शेट्टी,सुमित पाटिल, लक्ष्मण मन्तेंन, भावेश पाटिल, श्रीनिवास आडीगोपुला, नागेश जमपाल, श्री मार्कण्डेय महामुनि उत्सव समिति अध्यक्ष श्रीधर रुद्रा, भावेश पाटिल,कोंडा गाजेंगी,निष्काम भैरी,नरेंद्र वेंगल, मलेशम कोंका सहित अखिल पद्मशाली समाज के गणमान्य लोग भारी संख्या में रथयात्रा में शामिल थे.

गौरतलब हो कि, शिवाजी चौक स्थित कोंबड पाड़ा परिसर से अखिल पद्मशाली समाज के आराध्य देवता श्री मार्कण्डेय महामुनि की निकली भव्य रथयात्रा कासार आली स्थित भगवान मार्कण्डेय महामुनि मंदिर पहुंची.भव्य रथ पर भगवान मार्कण्डेय की भव्य झांकी के साथ सवार भक्त द्वारा श्री मार्कण्डेय महामुनि के चढ़ावे की खातिर हैंडलूम वस्त्र बनाया गया जिसकी बोली एक भक्त द्वारा 4 लाख 52 हजार में लगाकर महामुनि को अर्पित किया. श्री मार्कण्डेय मंदिर में पंडितों द्वारा धार्मिक रीतिरिवाज से भगवान मार्कण्डेय की विधिवत पूजा अर्चना कर भक्तों को जनेऊ धारण करने को दिया गया.शहर स्थित पद्मानगर क्षेत्र से निकली भव्य रथयात्रा में भी भारी संख्या में पद्मशाली समाज के महिला, पुरुष,बच्चे पीला परिधान, जय मार्कण्डेय की टोपी धारण कर मार्कण्डेय महामुनि की धार्मिक विधि विधान से पूजा, अर्चना असीम भक्ति भाव, हर्षोल्लास से किया.

भाई-बहनों का पवित्र त्योहार राखी धूमधाम से सम्पन्न

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. 'भैय्या मेरे राखी बन्धन को न भुलाना' भाई-बहनों का पवित्र राखी त्योहार पावरलूम नगरी भिवंडी शहर में बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ.रक्षाबंधन मौके पर सभी बहनों द्वारा भाइयों को पवित्र रंगबिरंगी खूबसूरत राखियाँ कलाइयों पर बांध, स्वादिष्ट मिठाई से मुहं मीठा कर लम्बी आयु की कामना बहनों द्वारा की गई.भाइयों ने राखियाँ बंधवाकर बहनों को यथासंभव उपहार व जीवनपर्यंत सुरक्षा किए जाने का भरोसा दिया. भिवंडी शहर सहित ग्रामीण भागों में पवित्र रक्षाबंधन त्यौहार की समूचे दिन धूम रही. इंजीनियर भाई अमित सिंह की बड़ी बहन वीना सिंह, शिक्षिका निशा सिंह एवं प्रोफेसर भाई अरुण सिंह को मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत डिप्टी मैनेजर वर्षा सिंह, भाई आदित्य सिंह को बड़ी बहना इशिता सिंह ने राखी बांधकर जीवन पर्यंत रक्षा का वचन और उपहार प्राप्त किया. प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भिवंडी शाखा द्वारा मानसरोवर, कोमलपाडा, कामतघर स्थित केन्द्रों पर राखी प्रोग्राम का आयोजन किया. ब्रम्हकुमारी बहनों ने भाइयों को राखियां बांधी व मिठाइयाँ खिलाकर परिवार की सेवा करने और आपस में प्रेम,सद्भावना से रहकर राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया.

बॉडी बनाने के लिए सलमान के पास गए थे ऋतिक रोशन

- जिम की चाबियां देकर बोले- ये तुम्हारा हुआ,
- रात 2 बजे वर्कआउट करने बुलाते थे

आज फिटनेस से अलग पहचान रखने वाले ऋतिक रोशन फिल्मों में आने से पहले बेहद दुबले-पतले हुआ करते थे। जैसे ही उन्हें पता चला कि पिता फिल्म कहो न प्यार है से उन्हें लॉन्च कर रहे हैं, तो बॉडी बनाने के लिए ऋतिक सबसे पहले सलमान खान के पास गए थे। इस मुलाकात का मजेदार और इमोशनल किस्सा ऋतिक रोशन ने रियलिटी शो बिग बॉस में किया था।

ऋतिक ने बिग बॉस में पहुंचकर, सलमान की तारीफ में कहा था, 'मैं सिर्फ एक आदमी के पास गया था, मदद के लिए और वो थे सलमान खान, मैं उनके पास गया था, क्योंकि मैं बहुत पतला था, पतला तो अब भी हूं, लेकिन तब और भी पतला था, आप इमेजिन कर सकते हैं। तो मैंने सोचा कि यार मेरे फादर पिक्चर बना रहे हैं, मुझे हीरो रखकर और मैं दिखता हूं जीरो। तो कौन है इस दुनिया में जो मेरी मदद कर सकता है और जो खुले दिल से करेगा। तो मैं सलमान के पास गया। उन्होंने मुझे अपने जिम की चाबियां दीं और कहा कि ये तुम्हारा हुआ। जो भी तुम चाहो, ये तुम्हारा है। वो बात मेरे दिल को इतनी छू गई।'

आगे ऋतिक ने बताया था कि चाबियां देने के बाद सलमान खान उन्हें आधी रात को कॉल कर जिम बुला लेते थे। रात 2 बजे सलमान खान का कॉल देख ऋतिक कहते थे कि अभी 2 बजे हैं, लेकिन सलमान उनसे कहते थे कि आ जाओ, बहुत मजा आएगा। और इस तरह ऋतिक ने सलमान खान की मदद से फिल्म मैंने प्यार किया के लिए बॉडी बनाई थी।

एसएसटी महाविद्यालय द्वारा

जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण

उल्हासनगर. विभिन्न समाजोपयोगी उपक्रमों में हमेशा अग्रणी रहने वाले एसएसटी महाविद्यालय ने जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सामग्री वितरण का उपक्रम आयोजित किया। इस उपक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना और उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाना था।

महाविद्यालय के डीएलएलई और एनएसएस इकाई के संयुक्त आयोजन के तहत उल्हासनगर के बाल विकास केंद्र, पालवी कर्णबधिर विद्यालय, के.सी. स्कूल फॉर डीफ और ज्ञानदीप विद्यालय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। सामग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों के चेहरों पर दोगुना आनंद देखने को मिला।

यह उपक्रम समाजसेवक डॉ. गिरीश छुगानी और डॉ. इसरानी के बहुमूल्य योगदान से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में, उपप्राचार्य एवं एनएसएस ठाणे जिला समन्वयक प्रा. जीवन विचारे तथा डीएलएलई जिला समन्वयक प्रा. दिलीप आहुजा ने स्वयंसेवकों की मदद से इस उपक्रम को कार्यान्वित किया।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from
MAZHAR ALI
to NEW NAME
MAZHAR ALI SHARAFAT ALI KHAN
So all the public now call me
MAZHAR ALI SHARAFAT ALI KHAN

(Add: Flat No. 601, Omkara 1, Cosmos Meluha Complex, Kalyan-shil Road, Padle gaon, Near Khidkali, Dist Thane).

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099